

संपादकीय

एक और निर्भया

मुंबई में दुराचार और अमानवीय करूरता के चलते एक युवती की मौत ने एक बार फिर अपराधियों में कानून का भय न होना दर्शाया है। यह भी कि हमारा कानून व पुलिस बेटियों को सुरक्षा कवच देने में नाकाम रहे हैं। वर्ष 2012 में दिल्ली की निर्भया के साथ जैसी करूरता की गई थी, वही राक्षसी व्यवहार मुंबई की निर्भया के साथ भी हुआ है। निस्संदेह यह राष्ट्रीय शर्म का विषय है कि घर से निकलने वाली बेटियां अमानवीय करूरता की शिकार हो रही हैं। अपराधियों में यह धारणा लगातर बनी हुई है कि वे अपराध करने के बाद भी बच जायेंगे। हमें इस सवाल पर गंभीरता से सोचना होगा कि अपराधियों में कानून का खौफ क्यों नहीं है। हमारे समाज में ऐसी सोच क्यों पनप रही है जो महिलाओं के प्रति नफरत-करूरता को दर्शाती है। उसके साथ बेजान वस्तु जैसा व्यवहार क्यों किया जाता है जबकि पुरुष मां, बहन व बेटी के बिना अधूरा है। क्या कहीं अपराधी की परवरिश में खोट है या हमारा वातावरण इतना विषाक्त हो चला है कि वह लगातार ऐसे अपराधियों को पैदा कर रहा है। हमें तमाम ऐसे सवालों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। यही वजह है कि महिलाओं के प्रति करूरता करने वालों के साथ तालिबानी न्याय करने की बात उठने लगी है। कुछ वर्ष पूर्व दक्षिण भारत में एक बलात्कार की घटना और करूरता के बाद पुलिस पर अपराधियों के साथ बंदूक से न्याय करने का दबाव बना था। बाद में जब बलात्कारी पुलिस मुठभेड़ में मारे गये थे तो महिलाओं ने पुलिस का अभिनंदन किया था। यह भाव दर्शाता है कि आम धारणा बन रही है कि न्यायिक प्रक्रिया से संगीन अपराधियों को समय रहते समुचित दंड नहीं मिल पाता। देश ने देखा था कि निर्भया कांड के दोषी सजा होने के बाद भी कानूनी ढांच-पेचों का सहारा लेकर पुलिस-प्रशासन व न्याय व्यवस्था को छकाते नजर आए। इस घटनाक्रम ने शीघ्र न्याय की आस में बैठे लोगों को व्यथित किया था।

हाल के दिनों में मुंबई और पुणे में दुराचार व सामूहिक बलात्कार के कई मामले प्रकाश में आये। कर्नाटक देश में भी ऐसी तमाम घटनाएं सामने आती रहती हैं जो दर्शाती हैं कि पथभ्रष्ट लोगों में स्त्री अस्मिता व गरिमा के लिये कोई जगह नहीं है, जिसके चलते यौन अपराध और फिर हत्या का सिलसिला जारी है। अपराधी समाज का अंग होने के बावजूद महिला-बच्चियों व उसके परिवजनों के दर्द की कतई परवाह नहीं करता। वर्ष 2012 में निर्भया कांड ने देश की अंतरात्मा को झटका कर रखा दिया था। पूरे देश में व्यापक आक्रोश सामने आया था। उसके बाद यौन हिंसा से जुड़े कानूनों को सख्त बनाया गया था। दोषियों को कठोरतम सजा से दंडित भी किया गया था। लेकिन लगता है कि दिल्ली की निर्भया का बलिदान व्यर्थ चला गया। आज भी पीड़ित महिला व परिवजनों को न्याय पाने के लिये यातनादायक लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। वहीं यौन अपराधों का आंकड़ा चौंकाने वाले स्तर तक बढ़ा है। यौन हिंसा के बाद तब तक मामला सुर्खियों में रहता है जब राजनीतिक दल राजनीति करते रहते हैं और मीडिया में मामला गर्म रहता है। फिर यौन पीड़िता का शेष जीवन सामाजिक लांछनों और हिकारत की त्रासदी के बीच गुजरता है। उ.प्र. में हाथरस से लेकर उज्जैन तक यौन हिंसा के मामले में ऐसा हुआ। यहां तक कि यौन हिंसा के आरोप मंत्रियों व विधायकों तक पर लगे। पिछले दिनों शिव सेना के एक मंत्री पर गंभीर आरोप लगे, आरोप लगाने वाली महिला की आत्महत्या के बाद मंत्री का इस्तीफा तो हुआ पर, पीड़िता को न्याय मिला? दरअसल, सत्तापीय भी कोई गंभीर नहीं करते जो पीड़िताओं का दर्द बांट सके और जांच व न्याय प्रक्रिया में तेजी लाकर नज़ीर पेश कर सकें। तभी आपराधिक तत्वों को खेलने का मौका मिलता है। मुंबई कांड में एक शिरपत्तारी हुई है, एसआईटी का गठन हुआ है और राजनीतिक दबाव के बाद फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामला चलाने की बात की जा रही है, लेकिन क्या अमानवीयता का शिकार हुई महिला को न्याय मिल सकेगा?

दुनिया के पहले क्रिकेट टोकन्स का सफल लॉन्च

नईदिल्ली । सिंगापुर स्थित मुख्यालय वाले ब्लॉकचैन आधारित प्लेटफॉर्म क्रिकेट फाउंडेशन, जिसे क्रिकेट समुदाय द्वारा बनाया गया था, की घोषणा अप्रैल में की गई थी और मई 2021 में यह लाइव हो गया। पिछले कुछ महीनों में शानदार प्रगति के बाद नेटवर्क ने कई महत्वपूर्ण आयाम हासिल किए हैं। इकोसिस्टम में क्रिकेट इकोसिस्टम से खिलाड़ियों, क्लबों, एसोसिएशन्स, बिजनेस पार्टनर्स से लेकर गेम डेवलपर्स आदि तक 120 से अधिक भागीदारों को साइन किया है। प्लेटफॉर्म पर यूजर्स की संख्या लॉन्च से पहले ही 50,000 से अधिक हो गई है, और सोशल मीडिया पर भी 60,000 से अधिक फॉलोअर्स हो गए हैं। क्रिकेट टोकन (क्रिक) पिछले सप्ताह भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटो एक्सचेंजों पर सफलतापूर्वक सूचीबद्ध हुआ, जिसका मार्केट कैप 200 मिलियन डॉलर से अधिक है। क्रिक टोकन प्लेटफॉर्म पर निर्मित सभी एप्लीकेशन्स के लिए नेलेनदेन का माध्यम है और प्लेटफॉर्म के शासन के लिए उपयोग किए जाने के अलावा, क्रिकेट ब्लॉकचैन प्लेटफॉर्म की सुरक्षा और



अखंडता को बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है। क्रिकेट फाउंडेशन ने गुरुवार को एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई घोषणाएं कीं और उनमें से कई सबसे पहले थीं। क्रिकेट के लिए विशेष रूप से दुनिया का पहला एनएफटी बाजार क्रिकेटक्रेज़ी आज लाइव हो गया।

प्लेटफॉर्म पर पहले दिन से ही क्रिकेट इतिहास के लगभग 50+ अद्वितीय क्षण हैं, जिनकी कीमत 2,00,000 से अधिक है। प्लेटफॉर्म प्रतिदिन लगभग 5 एनएफटी प्रतिदिन क्षणों को जोड़ेगा, साथ ही इसकी लाइब्रेरी में चुनने के लिए 20,000+ से अधिक क्रिकेट मीडिया संपत्तियां भी होंगी, जिनका योगदान इसके विभिन्न भागीदारों द्वारा किया जाएगा। क्रिकेटक्रेज़ी पूरे अनुभव को भी सरल बनाती है और प्लेटफॉर्म पर खेले जाने वाली विभिन्न चुनौतियों के लिए रिवाइड पूल में

50 मिलियन क्रिक टोकन्स से अधिक की घोषणा कर रहा है। पहली चुनौती - बिगिनर्स लक - आज लाइव होने जा रही है। क्रिकेट फाउंडेशन आज वी.वी.एस. लक्ष्मण, पार्थिव पटेल, वसीम अकरम, आर.पी. सिंह, पीयूष चावला, दीप दासगुप्ता, वेदा कृष्णमूर्ति, प्रज्ञान ओझा, लांस क्लूजर, शॉन टैट, रिक्की क्लार्क सहित कई अन्य सुविख्यात पार्टनर्स की सूची में और कई नवीनतम जाने-माने पार्टनर्स को जोड़कर इकोसिस्टम में उनका स्वागत करने से भी अभिभूत है। इनमें बिटबीएनएस, कोयनगैप, दिग्विजय सिंह

काठियावाड़ा, माइकल वॉन, डरमोट रीव, वाइल्डफायर स्पोर्ट्स, प्रदीप मंथानी हैं और वर्तमान में प्रतिदिन 2-3 पार्टनर जोड़े जा रहे हैं। क्रिकेट प्ले एंड विन गेम्स की घोषणा करते हुए भी अत्यंत खुशी हो रही है, जिन्हें भागीदारों के साथ सह-विकसित किया जा रहा है और अगले महीने नेटवर्क पर लॉन्च किया जा रहा है। लॉन्च के दौरान इकोसिस्टम के सह-संस्थापकों द्वारा प्लेटफॉर्म का अनावरण किया गया, जिनमें पार्थिव पटेल भी थे, जो सम्मेलन में विशेष रूप से शामिल हुए थे।

टाटा संस का शीर्ष स्तर पर नेतृत्व में ढांचागत बदलाव से इंकार

नईदिल्ली । देश के सबसे बड़े औद्योगिक समूह टाटा संस ने रूप के नेतृत्वकर्ता में ढांचागत परिवर्तन के उद्देश्य से मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की तलाश किये जाने की खबरों का खंडन करते हुये आज कहा कि शीर्ष स्तर पर नेतृत्व परिवर्तन नहीं किया जा रहा है। टाटा संस के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने आज यहां जारी एक बयान में कहा मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूँ कि शीर्ष स्तर पर परिवर्तन नहीं हो रहा है जैसे मीडिया के एक वर्ग में खबर आ रही है। इस तरह का कोई भी निर्णय यदि होगा तो यह नामांकन



और मानदेय समिति द्वारा लिया जाएगा। हम इस तरह की खबर से बहुत ही निराश हैं क्योंकि इससे निर्यात परिचालन प्रभावित होता है। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि देश के इस सबसे बड़े औद्योगिक समूह में शीर्ष स्तर पर नेतृत्व परिवर्तन की तैयारी हो रही है और इसके लिए एक सीईओ का पद सृजित किया जा रहा है।

सरकार के निर्णय से डिजिटल इंडिया का लक्ष्य हासिल करना होगा आसान: उद्योग

नईदिल्ली । दूरसंचार उद्योग ने सरकार के उन पर शुल्क, ब्याज और दंड ब्याज के प्रावधानों में भारी राहत देने तथा कारोबार सुगमता के लिए कई दूरगामी निर्णयों की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि इससे डिजिटल इंडिया के लक्ष्य को हासिल करने में काफी मदद मिलेगी। सैल्युलर ऑपरेटर्स के संगठन सीओएआई ने सरकार के इस निर्णय पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, हम दूरसंचार क्षेत्र के लिए आवश्यक सुधारों के लिए सरकार के साहसिक और दूरदर्शी निर्णय का स्वागत करते हैं। महामारी के दौर में अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन



करने वाले दूरसंचार उद्योग को एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के रूप में मान्यता देने के लिए हम प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हैं। उसने कहा कि यह निर्णय डिजिटल इंडिया की सफलता की पटकथा लिखने और डिजिटल इंडिया के लक्ष्यों को पूरा करने की यात्रा को गति देने के उद्देश्य से दूरसंचार क्षेत्र में आवश्यक ढांचागत सुधारों के लिए सरकार की मंशा को स्पष्ट करता है। सरकार का यह कदम वित्तीय बोझ से दबे दूरसंचार क्षेत्र को राहत, निवेश को बढ़ावा देने, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने और ग्राहकों को पसंद की

डिजिटल लक्ष्यों को हासिल करने में मददगार साबित होगा। भारतीय एयरटेल अर्थव्यवस्था के विकास के लिए निवेश करने और उच्च गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। एयरटेल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोपाल विट्टल ने कहा, उनकी कंपनी ने ढाई दशक से अधिक समय से देश की दूरसंचार क्रांति का बीड़ा उठाया हुआ है। ये नए सुधार इस रोमांचक डिजिटल भविष्य में निवेश करने के हमारे प्रयासों को और बढ़ावा देंगे और हमें देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था में अग्रणी कंपनियों में से एक बनने में सक्षम बनाएंगे।

फिल्मफेयर मैगजीन के कवर पेज पर नजर आये मीज़ान जाफरी

मीज़ान जाफरी जो अभी सिर्फ दो ही फिल्मों में नजर आये हैं , उन्होंने दो फिल्मों से ही ऑडियंस के दिल में घर कर लिया है। लोग उनकी एक्टिंग स्किल से इम्प्रेस हुए हैं और अब वह नजर आये फिल्मफेयर मैगजीन के कवर पेज पर। कवर पेज शेरार करते हुए उन्होंने लिखा, फिल्मफेयर उनको टैग लाइन दी गयी ऑन द राइज : मीज़ान जाफरी हास अराइड्ड इन स्टायल और मानना पड़ेगा इस कवर पेज पर वह बेहद स्टायलिश लग रहे हैं। मीज़ान की फीमेल फैन फोल्लोविंग काफी बढ़ी है और इस



कवर पेज से उन्हें पूरी अटेंशन मिल रही है। अब वह दिन गए जब ऑडियंस किसी भी स्टार किड को अपनाकर उन्हें सुपरस्टार बना देती थी। आज की ऑडियंस को अच्छी एक्टिंग चाहिए। आप भले ही स्टार किड हो या आउटसाइडर , अगर आप अच्छी एक्टिंग और अच्छी

फिल्में कर रहे हैं तो आप ऑडियंस के बीच हिट हैं। मीज़ान के खून में एक्टिंग है और दो फिल्मों के साथ उन्होंने अपना पोटेंशियल दिखा दिया है। आज सबको उनसे बहुत उम्मीदें हैं। वह कभी भी एक्टर नहीं बनना चाहते थे। वह हमेशा से म्यूज़िक या स्पोर्ट्स में इंटरस्ट रखते थे लेकिन किस्मत में कुछ और ही लिखा था। उन्हें एक ड्रीम लांच मिला जब संजय लीला भंसाली ने उन्हें फिल्म मलाल से डेब्यू करवाया। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली लेकिन सबको मीज़ान पसंद आये।

ऐश्वर्या राय ने 400 जूनियर आर्टिस्ट के साथ शूट किया यह गाना

बॉलीवुड एक्टर ऐश्वर्या राय ने 400 जूनियर आर्टिस्ट के साथ अपनी आने वाली फिल्म 'पोत्रियिन सेलवन' का गाना शूट किया है। एक्टर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'पोत्रियिन सेलवन' की शूटिंग कर रही हैं। मणिप्रतम के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग पिछले कुछ हफ्तों में पुदुचेरी में खत्म करने के बाद फिल्म की टीम कुछ दिन पहले ही अपने अगले शेड्यूल के लिए मध्य प्रदेश के महेश्वर पहुंच गई है, जहां ऐश्वर्या राय बच्चन ने 400 से ज्यादा जूनियर आर्टिस्ट



के साथ एक गाने को शूट किया है। मणिप्रतम बड़े लेवेल पर एक गाने की शूटिंग करना चाहते थे, जिसके लिए उन्होंने 400 से ज्यादा जूनियर आर्टिस्ट्स का शामिल करने का फैसला किया था। यह एक बड़ा डांस नंबर है। इस सॉन को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कोरियोग्राफर वृंदा गोपाल ने कोरियोग्राफ किया है।

भारतीय स्वचैश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा एसिक्स के साथ जुड़ी

नईदिल्ली । भारतीय रकेश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा प्रख्यात स्पोर्ट्स ब्रांड 'एसिक्स' के साथ जुड़ी हैं। ब्रांड ने बुधवार को जोशना को अपना नया ब्रांड एथलीट घोषित किया है। इस साझेदारी के तहत एसिक्स और जोशना खेल की शक्ति के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने और युवा एथलीटों को प्रेरित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। वहीं स्पोर्ट्स आइकन जोशना ब्रांड के प्रदर्शन दृष्टिकोण को भी पूरा करेंगी, जिनके खेल और जैशना की शैली को सभी प्रशंसा करते हैं। इस सहयोग के तहत दोनों ओर से एसिक्स के ब्रांड दर्शन को आगे बढ़ाते हुए तकनीकी रूप से और गति-संचालित उपभोक्ताओं के साथ जुड़ने के लिए एक स्वस्थ जीवन शैली का प्रचार करने के लिए भी योगदान दिया जाएगा, जिससे युवतियां और महिलाएं अपना संप्रदाय काम करने के लिए प्रेरित होंगी। जोशना ने एसिक्स के साथ जुड़ने पर कहा, मुझे एसिक्स परिवार में शामिल होने और वैश्विक एथलीटों के एक महान



समूह का हिस्सा बनने पर बेहद गर्व महसूस हो रहा है। एसिक्स का सभी खेलों में एथलीटों की मदद करने और उन्हें अपने खेल में उत्कृष्ट स्तर तक पहुंचने में सक्षम बनाने का एक अविश्वसनीय ट्रेक रिकॉर्ड है। उनके साथ मैं अपने प्रदर्शन को मैदान पर अगले स्तर तक ले जाने की उम्मीद करती हूँ और बदलाव लाने में मदद करने का भी वादा करती हूँ। हमारा उद्देश्य एक साथ खेल और महिला सशक्तिकरण में भारतीय युवाओं की भागीदारी में सुधार करना है और मुझे एसिक्स के साथ बदलाव लाने का विश्वास है। इस मौके पर एसिक्स इंडिया एवं दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक रजत खुराना ने कहा, एसिक्स इंडिया को भारत की सबसे बेहतरीन स्टेज खिलाड़ियों में से एक जोशना चिनप्पा के साथ इस शानदार साझेदारी पर बेहद गर्व है।

आज का राशिफल

मेष: आज क्रोध पर संयम न रखने से आपके कार्य और संबंध बिगड़ने की संभावना है। मानसिक रूप से व्यग्रता और बेचैनी के कारण किसी कार्य में आपका मन न लगे यह हो सकता है।
वृष: शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहने से तथा कार्यसफलता प्राप्त करने में विलंब होने से आप निराश हो जाएंगे। आज किसी नए कार्य का शुभारंभ न करें।
मिथुन: आज का दिन आनंद-प्रमोद में बीतेगा। शारीरिक और मानसिकरूप से आप खुशी का अनुभव करेंगे। मित्रों और परिवजनों के साथ प्रवास या पर्यटनस्थल पर घूमने-फिरने का आनंद उठा सकेंगे।
कर्क: व्यवसाय में आज का दिन लाभदायी रहेगा। कार्यालय में सहकार्यकर्ता का सहकार भी प्राप्त होगा। परिवजन आपके साथ आज आनंदपूर्वक समय बितावेंगे।
सिंह: आज सृजनात्मकता और कला संबंधी प्रवृत्तियों के लिए दिन श्रेष्ठ है। छात्र भी अभ्यास में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पाएंगे।
कन्या: आज का दिन प्रतिकूलताओं से भरा रहेगा। शारीरिक स्फूर्ति का आज अभाव रहेगा और मानसिक रूप से भी थिंता बनी रहेगी।
तुला: आज का दिन आनंद में बीतेगा। प्रतिस्पर्धियों के समक्ष विजय का स्वाद प्राप्त कर सकेंगे। प्रत्येक कार्य सफलता लेकर आयेगा। स्वजनों के साथ भी आज भेंट होगी।
वृश्चिक: परिवार में क्लेशमुक्त वातावरण बनाने के लिए वाणी पर संयम रखें। वैचारिक रूप से नकारात्मकता आप पर प्रभुत्व न जमा दे, इसका ध्यान रखें।
धनु: आज के दिन विधित किए हुए कार्य पूर्ण होंगे। लक्ष्मीजी की कृपा रहेगी। शारीरिक तथा मानसिक स्वस्थता आपको प्रसन्न रखेगी।
मकर: आज मन अस्वस्थ रहेगा। धार्मिक, सामाजिक कार्यों में धन का खर्च होगा। स्वजन और मित्रों के साथ अनबन होगी।
कुम्भ: इस समय मिलने वाले लाभों से आपका आनंद दुोगुना हो जाएगा। नए कार्य के आयोजन के लिए कार्य का प्रारंभ शुभ सिद्ध होगा।
मीन: व्यवसायिक दृष्टि से आज आपके लिए लाभदायी दिन है। आपकी कार्यसफलता के कारण उच्च अधिकारी आप पर प्रसन्न रहेंगे।

दाल से बनाएं जायकेदार दाल-कोरमा

दो दालों को पीसकर बनाई गए दाल कोरमा को आप लंच हो या डिनर किसी में भी सर्व कर सकते हैं। आइए जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

सामग्री :

- अरहर दाल- 100 ग्राम, चना दाल- 100 ग्राम, प्याज- 1 (बारीक कटा हुआ), अदरक-लहसुन पेस्ट- 1 टेबलस्पून, दही- 2 टेबलस्पून, पोस्टो दाना- 1 टेबलस्पून, हरी मिर्च- 3, लहसुन- 8-10 कली, गरम मसाला- 1 टीस्पून, नमक- स्वादानुसार, धनिया पाउडर- 1 टेबलस्पून, टमाटर- 2 कटे हुए, काली मिर्च- 3 दाने, तेल- आवश्यकतानुसार, जीरा- 1 टीस्पून, धनिया पत्ती सजाने के लिए

विधि :

अरहर और चने की दाल में नमक, अदरक, हरी मिर्च डालकर पीस लें। अब इसमें प्याज मिलाएं। दाल के छोटे-छोटे बॉल्स बनाकर इडली स्टैंड में स्टीम कर लें।



अब ग्रेवी तैयार करेंगे। इसके लिए टमाटर, काजू, अदरक को बारीक पीस लें। पैन में तेल गर्म करें। इसमें जीरा, प्याज और साबुत लहसुन से तड़का लगाएं। इसमें अब टमाटर वाली ग्रेवी डालेंगे। साथ ही नमक, धनिया पाउडर, हल्दी डालकर मसाले को अच्छी तरह भूनेंगे। फिर दही डालें और इसे 1-2 मिनट तक पकाएंगे। पानी डालकर मसाले में उबाल आने का इंतजार करेंगे। इसमें स्टीमड बॉल्स डालकर गैस ऑफ कर दें। ऊपर से गरम मसाला और धनिया पत्ती से गार्निश कर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 203

- बाएं से दाएं**
1. भारत के वर्तमान विधानसभा 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शक्यता पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, कर्क, सम्माननीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमेंटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रूप से युक्त, चित्र, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, बिखारना
- ऊपर से नीचे**
1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवाह, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्टा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, लतिक 24. जुर्म, गुनाह 26. चाप की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

शब्द सामर्थ्य क्रांतां 202 का हल

भू	कं	प	फा	य	दा	स
प	ल	ला	ट	य	ती	म
ति	ल	क	क	न	क	झ
क्ष			रे			
ग	ण	क	सं	श	य	सौ
ह	या	च	क	म	न	त
रा	क्ष	स	र	क्ष	क	न
	त्रि			मि		
शा	य	री	का	त	र	गो

सू-दोक्- 203

	2		6		1
3		4		2	
					6
6			4		
	9		3		1
4	3			9	2
	8	2			7
1	2		4	9	6

नियम

1. कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें अक्षरों का एक खंड बना है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक रखा जा सकता है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोक् क्र.202 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1